

सर्वोत्तम अभ्यास: कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों और विकलांग लोगों के लिए व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार के माध्यम से भ्रम और भेदभाव को चुनौती देना

उप-विषय

- भ्रम, भेदभाव और बहिष्कार में कमी

लक्षित दर्शक (गण)

- कार्यक्रम प्रबंधक
- कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति

योगदानकर्ता

एमराव ,द लेप्रोसी मिशन ट्रस्ट इंडिया (टीएलएमटीआई), चंपा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर (वीटीसी), एनजीबीएस ,द लेप्रोसी मिशन इंग्लैंड एंड वेल्स (टीएलएमईडब्ल्यू)

मुख्य संदेश

इस सोच के माध्यम से, कुष्ठ रोग और विकलांगता (कुष्ठ रोग से संबंधित तथा सामान्य विकलांगता—दोनों) से प्रभावित युवाओं को स्वतंत्र जीवन जीने के कौशल और ज्ञान से लैस किया जाता है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और पहली नौकरी के माध्यम से अर्थव्यवस्था में शामिल हो सकें।

रोजगार प्रदाताओं को निष्पक्ष श्रम, परिस्थितियों, समावेशन तथा विकलांगता-अनुकूल कार्यस्थलों के बारे में संवेदनशील बनाकर, साथ ही इन युवाओं के परिवारों और समुदायों को भेदभाव रहित प्रथाओं के बारे में जागरूक बनाकर इस पहल को आगे बढ़ाया जाता है। इस प्रकार उनकी रोजगार-क्षमता और सामाजिक समावेशन में सुविधा होती है।

मुख्य सूचनादाता / प्रस्तुति तिथि

एम राव, टीएलएमटीआई, चंपा, छत्तीसगढ़, भारत, दिसंबर २०१९

सर्वोत्तम अभ्यास का विवरण

परिचय

इस सर्वोत्तम अभ्यास की शुरुआत किन कारणों से हुई?

1998 में चंपा वीटीसी शुरू होने से पहले, छत्तीसगढ़ राज्य में कोई अन्य संस्थान नहीं था जो कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों को समग्र रूप से कौशल प्रशिक्षण और नौकरी प्रदान करता हो।

संबोधित की जाने वाली समस्याएँ

कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों को अक्सर भ्रम और भेदभाव के कारण समाज से बाहर रखा जाता है। इसमें वे लोग शामिल हैं जो कुष्ठ रोग से सीधे प्रभावित हैं, तथा वे भी जिनके परिवार के सदस्यों को कुष्ठ रोग हो चुका है।

कुष्ठ रोग और/या विकलांगता से प्रभावित युवा अक्सर शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और लाभकारी रोजगार तक पहुँच प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं। आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण के बावजूद, लोगों के मन में बसे भेदभाव के कारण उन्हें रोजगार पाने में अधिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

जनसंख्या पर प्रभाव

कुष्ठ रोग और अन्य विकलांगताओं से प्रभावित व्यक्तियों के बारे में नकारात्मक छवि का मुख्य कारण ऐतिहासिक भ्रम, भय और जानकारी का अभाव है। ऐसे युवाओं को उनके परिवारों, समुदायों और रोजगार प्रदाता सहित आसपास के लोग सीमित कौशल और क्षमताओं वाला मानते हैं। इन गलत सोच के कारण रोजगार प्राप्त करना अत्यंत कठिन हो जाता है।

यदि यह सीधे तौर पर कुष्ठ रोग का अभ्यास नहीं है, तो कुष्ठ रोग नियंत्रण की प्रासंगिकता क्या है?

रोजगार प्रदाता को संवेदनशील बनाने में चंपा वीटीसी का कार्य व्यापक समुदाय के लिए भी लाभकारी है। इससे नियोक्ता यह समझते हैं कि कुष्ठ रोग से प्रभावित लोग अच्छे कर्मचारी हो सकते हैं और भविष्य में अधिक लोगों को रोजगार देने के लिए प्रेरित होते हैं।

कुष्ठ रोग के बारे में जागरूकता बढ़ने से भ्रम कम होता है, जिससे लोग शीघ्र उपचार और निदान के लिए आगे आते हैं।

कौन से उद्देश्य प्राप्त हुए?

वीटीसी के कर्मचारी संभावित रोजगार प्रदाता को संवेदनशील बनाने तथा कुष्ठ रोग और/या विकलांगता से प्रभावित लोगों के प्रति भेदभावपूर्ण धारणाओं को चुनौती देने में शामिल रहे।

यह विचार अत्यंत सफल रहा। वर्ष 2018 में, चंपा वीटीसी में अध्ययन करने वाले 93% छात्रों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद नौकरी प्राप्त हुई।

उद्देश्य और कार्यप्रणाली

परियोजना का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि नियोक्ता यह समझें कि कुष्ठ रोग और/या विकलांगता से प्रभावित लोग अच्छे कर्मचारी हैं और अपने व्यवसाय में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। इससे रोजगार प्रदाता और कर्मचारियों के बीच भ्रम दूर होता है तथा व्यापक समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अभ्यास का कार्यान्वयन: मुख्य गतिविधियाँ

- वीटीसी ने नौकरी मेलों और ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट जैसे लिंकज कार्यक्रम आयोजित किए।
- रोजगार प्रदाता को संवेदनशील बनाने हेतु कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

रोजगार प्रदाता के लिए संवेदनशीलता गतिविधियाँ

संभावित रोजगार प्रदाता को व्यवसाय मूल्य पहचानने के लिए शिक्षित करने हेतु की गई गतिविधियों के उदाहरण, समावेशिता के संदर्भ में विकलांग व्यक्तियों को काम पर रखने में निम्नलिखित शामिल थे:

- रोजगार प्रदाता को कुष्ठ रोग और विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के बारे में संवेदनशील बनाया गया; सभी।

सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित लोगों के लिए व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार के माध्यम से कलक और भेदभाव को चुनौती देना चंपा, छत्तीसगढ़, भारत में कुष्ठ रोग और विकलांग लोग

- छह नियोक्ता कैंपस साक्षात्कार के लिए वीटीसी में आए, तथा चार कैंपस साक्षात्कार ऐसे थे जिनमें नियोक्ता समावेशी नियुक्ति देने के इच्छुक थे। भाग लेने वाले रोजगार प्रदाता में महिंद्रा एंड महिंद्रा, केस अर्थ मूवर्स एस्कॉर्ट्स, हीरो मोटर्स और अपराजिता मोटर्स शामिल थे।
- तीन ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट शिविर आयोजित किए गए। उम्मीदवारों का चयन निष्पक्ष अभ्यास स्थितियों में किया गया था, जिसमें कंपनियां आवास और भोजन के साथ 6000-9000 आईएनआर की पेशकश कर रही थीं। छत्तीसगढ़ के 9 जिलों में पहचाने गए 62 रोजगार प्रदाता में से 49 को कुष्ठ विकलांगता और लैंगिक अधिकारों के प्रति समावेशी रोजगार पर संवेदनशील बनाया गया।
- टीएलएमटीआई के निष्पक्ष श्रम स्कोरकार्ड का परीक्षण हमारे सभी कर्मचारियों के साथ प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से किया जाता है। कंपनी में कार्यरत स्नातक से फीडबैक लिया जाता है। स्कोरिंग के बाद नियोक्ता को इनपुट दिए जाते हैं। इसके अलावा, प्लेसमेंट के दौरान निष्पक्ष श्रम वाली कंपनियों को प्राथमिकता दी जाती है।

क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों ने डिजाइन और अभ्यास में भाग लिया?

विषयगत मूल्यांकन के दौरान 2017-2018 के प्रशिक्षुओं का साक्षात्कार लिया गया और परियोजना गतिविधियों को कैसे विकसित किया जाए, इस पर उनके विचार मांगे गए। इसी प्रकार, संभावित अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए फोकस समूह चर्चा में शामिल किया गया। परियोजना विकास के लिए स्नातकों, रोजगार प्रदाता, ग्राम नेताओं और बुजुर्गों, तथा टीएलएमटीआई के वरिष्ठ कर्मचारियों के साथ-साथ वीटीसी कर्मचारियों से भी इनपुट लिया गया।

प्रमुख कार्यान्वयनकर्ता और सहयोगी

संस्थागत-आधारित प्रशिक्षण के लिए, वर्तमान पाठ्यक्रमों को उन्नत किया गया तथा स्नातकों और रोजगार प्रदाता से प्राप्त इनपुट के आधार पर नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। समुदाय-आधारित प्रशिक्षण के लिए, संभावित प्रशिक्षुओं और उनके परिवारों को शुरू किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की पहचान करने में शामिल किया जाता है। समुदाय-आधारित पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आवश्यक साजो-सामान सहायता प्रदान करने में समुदाय शामिल थे।

समुदाय के प्रतिनिधियों वाली एक प्रबंधन समिति और एक तकनीकी सलाहकार समिति ने यह निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि समुदाय-आधारित व्यवसाय प्रशिक्षण किस प्रकार कार्य करना चाहिए। वे हर तिमाही में या आवश्यकतानुसार कार्यक्रम की समीक्षा में भी शामिल थे। प्रशिक्षुओं की बदलती जरूरतों को समझने और उनका समाधान करने के लिए उनसे नियमित आधार पर फीडबैक लिया गया।

संसाधन निहितार्थ

संसाधन निहितार्थ से जुड़े मुद्दों में निम्नलिखित शामिल थे:

- पारंपरिक परिवारों को अपनी लड़कियों को आवासीय व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भेजने के लिए राजी करना। ये लड़कियाँ सांस्कृतिक और वित्तीय बाधाओं के साथ-साथ घर छोड़ने पर अपनी सुरक्षा की चिंताओं के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ रही हैं।
- महिलाओं और विकलांग लोगों को रोजगार देने में सक्षम होने के लिए रोजगार प्रदाता को सुलभ और सुरक्षित कार्यस्थलों में वित्तीय रूप से निवेश करने के लिए प्रेरित करना।
- विकलांगता वाले स्नातकों का दुर्गम होने के कारण वेतनभोगी रोजगार से बाहर हो जाना — परिवहन, कार्य वातावरण

सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित लोगों के लिए व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार के माध्यम से कलक और भेदभाव को चुनौती देना चंपा, छत्तीसगढ़, भारत मकुष्ठ रोग और विकलांग लोग

और साथियों का रवैया।

परिणाम—आउटपुट और परिणाम:

आउटपुट और परिणामों के संबंध में क्या ठोस परिणाम प्राप्त हुए?

- कुष्ठरोग और अन्य विकलांगताओं से प्रभावित १२३ व्यक्तियों ने वीटीसी में नामांकन कराया। इन सभी व्यक्तियों को तकनीकी,
- जीवन और व्यवसाय कौशल में प्रशिक्षित किया गया तथा उन्हें अधिकारों, सकारात्मक सहभागिता और उचित श्रम स्थितियों के बारे में शिक्षित किया गया।
- १०८ स्नातकों को प्लेसमेंट रोजगार प्राप्ति में सहायता प्रदान की गई
- ११२ स्नातकों को वीटीसी पूर्व छात्र नेटवर्क से जोड़ा गया

क्या अभ्यास का मूल्यांकन किया गया था?

पी-स्केल / साल्सा / स्नातक संतुष्टि फॉर्म

क्या परियोजना पूरी हो गई है या अभी भी कुछ परिणाम अपेक्षित हैं?

परियोजना का पिछला चरण समाप्त हो चुका है। हालाँकि, एक नया चरण शुरू हो गया है जो पिछले चरण के कार्य पर आधारित होगा, जिसका उद्देश्य अतिरिक्त ६० रोजगार प्रदाता को संवेदनशील बनाना है।

सीखे गए सबक

सफलता

टीएलएम शिक्षा लर्निंग ऐप इस परियोजना के लिए बेहद मूल्यवान रहा है। दुनिया ने नई तकनीक विकसित होने के कारण मौलिक रूप से बदलाव आया है। मोबाइल डिवाइस जो कभी थे माना जाता था कि कक्षा में व्यवधान अब छात्रों को असीमित सीखने के अवसर प्रदान करते हैं और धीरे-धीरे शिक्षा के मूल में सुधार करना। पिछले २ वर्षों में हैंडहेल्ड उपकरणों का उपयोग बढ़ा है/ चलन बढ़ा है, जिससे बच्चों को अपनी प्रगति के लिए अपनी उंगलियों पर तकनीकी उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध हुई शिक्षा और सीखना।

शैक्षिक ऐप्स के साथ, वीटीसी छात्र केवल एक बटन के क्लिक से वैश्विक स्तर के छात्रों के साथ सीख सकते हैं। सीखने की प्रक्रिया बच्चों के लिए अधिक जानकारीपूर्ण, आकर्षक और मनोरम मन को अच्छा लगता है। इसके अलावा, छात्र अपनी गति से सीख सकते हैं और पूर्वनिर्धारित समय-सारिणी से विवश महसूस नहीं कर सकते, जिससे पूर्ण सीखने को प्रोत्साहित करें। शैक्षिक ऐप्स दृश्यों के साथ सीखने को शामिल करते हैं और इसे बनाया है वीटीसी छात्रों के लिए यह क्रम आकर्षक, इंटरैक्टिव और रोमांचक है।

चुनौतियां

- यह सुनिश्चित करना कि प्रभावित समुदाय के ५०% उम्मीदवार महिलाएँ हों
- राज्य सरकार द्वारा ब्लॉक स्तर पर निःशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करना
- कार्य-स्टेशन संशोधनों को पूरा करना

सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित लोगों के लिए व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार के माध्यम से कलक और भेदभाव को चुनौती देना चंपा, छत्तीसगढ़, भारत मकुष्ठ रोग और विकलांग लोग

प्रतिकृति और मापनीयता:

क्या यह अभ्यास एक से अधिक स्थानों पर क्रियान्वित किया गया है? नहीं

यदि इस अभ्यास को समय के साथ जारी रखा जाए तो क्या दीर्घकालिक प्रभाव प्राप्त किए जा सकते हैं?

व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार सहायता के माध्यम से कुष्ठरोग और/या विकलांगता से प्रभावित लोगों की आर्थिक प्रगति और समावेशन।

प्रासंगिक कारकों, संस्थागत समर्थन, मानव संसाधनों पर विचार करते हुए समय के साथ अभ्यास को बनाए रखने के लिए क्या आवश्यकताएं हैं?

- संस्थागत सहायता: ५०% वित्तीय सहायता
- मानव संसाधन: वर्तमान कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण

निष्कर्ष

चंपा में टीएलएमटीआई के व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम को एक सर्वोत्तम अभ्यास माना जा सकता है क्योंकि यह कुष्ठरोग से प्रभावित लोगों के जीवन को बदलने के लिए काम कर रहा है: प्रशिक्षण और कौशल विकास के माध्यम से तथा संभावित रोजगार प्रदाता और इन युवाओं के परिवारों और समुदायों को गैर-भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में संवेदनशील बनाने के माध्यम से विकलांगता को कम करना। ये युवा लोग उत्पादक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक के रूप में भारतीय कार्यबल में शामिल होंगे, तथा यह दर्शाएंगे कि समान अवसर और कौशल मिलने पर वे लागू प्रणालियों को चुनौती देने, सामाजिक मेल मिलाप को बढ़ावा देने और गरीबी से बचने के लिए उभर कर आदर्श बन सकते हैं।